बशर्ते कि अयोग्यता के कारण कोई अस्वीकृत न हुआ हो ।

(ख) पिछले १२ महीनों में उपरोक्त रीति से असिस्टेंटों के पद पर नियुक्त किये गये ग्रेड I के स्थायी क्लर्कों की संख्या १८२ है ।

(ग) इस समय असिस्टेंट ग्रेड के लिये और आर० टी० ई० की परीक्षा करने का कोई विचार नहीं है ।

Banaras Hindu University

3677. Shri Jhulan Sinha: Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that under the rules of residence in the Banaras Hindu University hostels and lodges it is not permissible to take non-vegetarian meals;

(b) whether these rules govern the hostels in the University campus only or apply to lodges and residences outside also;

(c) whether the sentiments, requirements and dietary habits of non-vegetarian students have been taken into account while laying down these rules; and

(d) whether there are such rules about diets and habits in any other University of All India character?

The Minister of Education (Dr. K. L. Shrimali): (a) to (c). The rules of Hostels of the Banaras Hindu University, framed by its founder, late Pandit Madan Mohan Malaviya and applicable to both the hostels situated within the University campus as well as approved lodges outside, *inter-alia* contain a provision to the effect that non-vegetarian food will not be allowed to be brought within the hostel area or lodge premises. In view of the sentiments of the founder, the University does not encourage non-vegetarian messes but there is no bar against such messes and permission is always accorded for the provision of the same in the hostels; only care is taken that the sentiments of vegetarian boarders are respected. At present non-vegetarian messes are being run in almost all the hostels of the University.

(d) No, Sir.

Oil Prospects in U.P.

3678. Shri D. C. Sharma:
Shri Bishwanath Roy:
Sardar Iqbal Singh:
Shri A. M. Tariq:

Will the Minister of **Steel, Mines and Fuel** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 1484 on the 13th April, 1961 and state the up-to-date progress since made in connection with the work of prospecting of oil in the foot-hill regions of the Himalayas in Uttar Pradesh?

The Minister of Steel, Mines and Fuel (Sardar Swaran Singh): Geological mapping of almost entire Siwalik foot-hills belt has been completed. Two large anticlinal structures have been found namely:

(i) Mohand Anticline in Dehradun and Saharanpur districts; and

(ii) Kalagarh-Powalgarh Anticline in Nainital district.

Deep drilling on these structures however, is not proposed at present.

Arrest of Chinese and Pakistanis without Passports

3679. Shri D. C. Sharma:
Shri M. L. Dwivedi:
Shri P. C. Borooah:
Shri Agadi:
Shri Sugandhi:
Shri Wodekar:
Sardar Iqbal Singh:
Shri A. M. Tariq:
Shri Raghunath Singh:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) the number of Chinese and Pakistani Nationals, without any passport or with forged passports, who

were arrested in India during the period 1st April to 31st August, 1961; and

(b) the action taken against them?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Datar): (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the House, as soon as it is available.

बल साहित्य की रचना

३६८०. **श्री म० ला० द्विवेदी :** क्या **शिक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तृतीय पंचवर्षीय योजना में बाल साहित्य की रचना के लिये जो कार्यक्रम निश्चित किया गया है उसकी संक्षिप्त रूपरेखा क्या है ? और

(ख) क्या यह सच है कि दूसरी पंचवर्षीय योजना में बाल साहित्य की रचना का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था वह पूरा नहीं हो पाया ?

शिक्षा मंत्री (डा० का०ला० श्रीमाली) : (क) बाल साहित्य तैयार करने के कार्यक्रम की संक्षिप्त रूप रेखा, जिसे तृतीय पंचवर्षीय आयोजना में कार्यान्वित किया जा रहा है :

१. बाल पुस्तकों के लिये राष्ट्रीय प्रतियोगिता

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी प्रादेशिक भाषाओं में, हिन्दी, सिंधी और उर्दू में भी, प्रत्येक वर्ष बाल पुस्तकों की एक पुरस्कार प्रतियोगयता आयोजित की जाती है । पुरस्कार प्रदान करने के अतिरिक्त, स्कूल पुस्तकालयों, शैक्षणिक संस्थाओं और बाल केन्द्रों आदि को वितरित करने के लिए प्रत्येक पुरस्कृत पुस्तक की अधिकतम २,००० प्रतियों की खरीद की भी व्यवस्था है ।

२. साहित्य रचनालय

बाल साहित्य तैयार करने की प्रणाली (तकनीक) में लेखकों को प्रशिक्षण देने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष छः साहित्य रचनालय आयोजित करने का विचार है । प्रत्येक रचनालय दल एक भाषा में पुस्तकें तैयार करने से संबंध में रखना है और इस की अवधि छः सप्ताह है ।

३. प्रमुख भारतीय भाषाओं में बच्चों के लिये चित्र-पुस्तकें तैयार करना

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी प्रमुख भाषाओं में बच्चों के लिए सस्ती चित्र-पुस्तकें तैयार करने का सुझाव है । ऐसा विचार है कि पुस्तक इस प्रकार से तैयार की जाए कि उसका चित्रात्मक भाग अधिक मात्रा में छापा जा सके —५०,००० से १ लाख प्रतियों तक — और तब प्रत्येक भाषा की पुस्तक की सामग्री अलग अलग संख्या में छापी जा सके । इस प्रकार बच्चों को ये पुस्तकें सस्ती उपलब्ध हो सकेंगी ।

४. राष्ट्रीय भावनात्मक एकता के विषय पर बच्चों और अध्यापकों के लिये पुस्तकें तैयार करना

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय भावात्मक एकता के विषय पर बच्चों और अध्यापकों के प्रयोग के लिए हिन्दी तथा अन्य आधुनिक भारतीय भाषाओं में पुस्तकें तैयार की जाएंगी ।

(ख) द्वितीय पंचवर्षीय आयोजना की अवधि में कार्यान्वित किए गए बाल साहित्य तैयार करने के किसी कार्यक्रम के लिए जो पुस्तकों की संख्या अथवा साहित्यक सामग्री का कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया था ।

पब्लिक स्कूलों में राष्ट्रीय सेनाछात्र दल

३६८१. **श्री म० ला० द्विवेदी :** क्या **शिक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पबलिक स्कूलों के राष्ट्रीय सेनाछात्र दल का खर्च सम्बन्धित राज्य सरकारों